बी टी बैंगन पर निर्णय - कुछ अंश

पूर्व के पैराग्राफों में प्रस्तुत समस्त सूचना के आधार पर और जबकि वैज्ञानिक समुदाय के भीतर कोई स्पष्ट सर्वसम्मति न हो, जबकि राज्य सरकारों से बहुत ही अधिक विरोध हो, जब जिम्मेदार सिविल समाज संगठनों और विख्यात वैज्ञानिकों ने अनेक गंभीर प्रश्न उठाए हों और जिनका कि उत्तर संतोषजनक ढंग से न दिया गया हो, जबकि जन भावना नकारात्मक हो और जबकि बी टी बैंगन प्रथम आनुवंशिक रुप से संशोधित वेजिटेबल हो और जिसे कि विश्व में कहीं भी शुरु किया जाना बाकी हो :

यह मेरा कर्त्तव्य है कि एक चौकस, ऐहतियाती सिद्धांत आधारित दृष्टिकोण को अपनाया जाए और बी.टी. बैंगन की रिलीज़ को ऐसे समय तक विलम्बित रूप में रखा जाए जब तक कि वैज्ञानिक अध्ययन से जनता और व्यवसायियों दोनों की संतुष्टि न हो जाए तथा मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण पर दीर्घावधि प्रभाव को दृष्टिगत रखते हुए जिसमें हमारे देश में बैंगन में विद्यमान समृद्ध आनुवंशिक सम्पदा भी शामिल है, यह उत्पाद सुरक्षित हो ।

मेरा विश्वास है कि ऊपर रेखांकित दृष्टिकोण दोनों प्रकार से विज्ञान के प्रति उत्तरदायी और समाज के प्रति जवाबदेह हैं

(पूरा निर्णय अंग्रेजी में उपलब्ध है)

moef.gov.in